संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कोरोना के 17 नए मरीज सामने आए, नहीं हुई किसी की मौत

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। दिल्ली में कोरोना के मामलों में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। सितंबर महीने के 13 दिनों में केवल एक मरीज ने अब तक कोरोना के कारण दम तोड़ा है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को कोरोना के 17 नए मामले सामने आए। वहीं 30 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि किसी मरीज की कोरोना से मौत नहीं हुई। दिल्ली में अभी तक 14,38,250 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 14,12,790 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 25,083 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया है। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.74 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 377 सक्रिय मरीज हैं। इनमें से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 253 मरीज भर्ती हैं, वहीं कोविडकेयर सेंटर में 10 और होम आइसोलेशन में 97 मरीज हैं। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए रविवार को 40399 टेस्ट हुए, जिसमें से 0.04 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। आरटीपीसीआर से 30266 और रैपिड एंटीजन से 10133 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 2,65,30,193 टेस्ट हो चुके हैं। दिल्ली में घटते मामलों के साथ हॉट-स्पॉट की संख्या घटकर 92 रह गई है।

रेल यात्री संघ ने केंद्रीय मंत्री से की रेवाड़ी जंक्शन पर रेलवे पिट लाइन बनाने की मांग

पटौदी, 14 सितम्बर (ए)। पटौदी दैनिक रेल यात्री संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष योगेंद्र सिंह की अगुवाई में सोमवार को एक प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय मंत्री राव इंदजीत सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने रेवाड़ी जंक्शन पर रेलवे पिट लाइन बनाने की मांग को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि जल्द ही इस बाबत सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। पिट लाइन मिलने के बाद दिल्ली रेवाड़ी रेल खंड पर कई नई गाड़ियां मिल सकती है। फिलहाल जो रेल गाड़ियां दिल्ली वाशिंग के लिए कई कई घंटों तक खड़ी रहती है ऐसी गाड़ियों कि वाशिंग की सुविधा रेवाड़ी में कर दी जाएगी। ऐसे में रेवाड़ी से ऐसे क्षेत्रों की गाड़ियां भी मिलेगी जो अभी नहीं मिल रही है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार सांसद द्वारा जाटौला जौड़ी सांपका व पातली में फुट ओवर ब्रिज के लिए बात की गई। यात्री संघ चुनाव पटौदी दैनिक रेल यात्री संघ के वार्षिक चुनावों में एक बार फिर योगेंद्र सिंह चौहान को अध्यक्ष पर नियुक्त किया गया है। दैनिक रेल यात्रियों के अनुसार रेल सेवाओं और स्टेशन के लिए दिन रात एक करने और उनकी आवाज बनने के लिए दोबारा इन्हें मौका दिया है। चुनावों की अध्यक्षता अनिल कुमार खंगवाल ने की।इस अवसर पर योगेंद्र सिंह ने वहां पहुंचे अन्य पदाधिकारियों सहित यात्री संघ के सदस्यों को विश्वास दिया कि वो उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे तथा पटौदी रोड रेलवे स्टेशन पूरे रेवाड़ी रेल खंड के लिए बेहतर कार्य करेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में छाए बादल, हो सकती है हल्की बारिश

नई दिल्ली/नोएडा, 14 सितम्बर (ए)। पिछले कई दिनों लगातार जारी बारिश के चलते राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के शहरों में मौसम अब सुहाना हो गया है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भी कमी आई है, जिससे उमस भरी गर्मी से परेशान दिल्ली-एनसीआर के लोगों ने राहत की सांस ली है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। इससे पहले मंगलवार को भी दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में कहीं धीमी तो कहीं जोरदार बारिश हुई, जिस वजह से जगह-जगह जलजमाव हो गया और यातायात भी प्रभावित हुआ। मौसम विभाग की मानें तो बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बारिश होने की उम्मीद है। दिन में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 25 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। बुधवार से फिर अच्छी बारिश होने की संभावना है, जबकि बृहस्पतिवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में जोरदार बारिश का अनुमान है। लोगों को सलाह दी गई है कि जलभराव और जाम वाले इलाकों में आवागमन से परहेज करें। वहीं, लगातार बारिश ने सोमवार को भी दिल्ली के साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद गुरुग्राम और फरीदाबाद में अव्यवस्थाओं की पोल खोल दी है, लेकिन अधिकारियों की कुंभकर्णी नींद नहीं टूटी है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार को हुई दो घंटे की झमाझम बारिश में शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। खासकर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में ग्रामीण अंचलों से लेकर सेक्टरवासियों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। बारिश बंद होने के कई घंटों बाद भी सड़कों पर जलभराव होने की वजह से सेक्टरों में लोगों का आवागमन बाधित रहा। मुख्य सड़कों पर वाहन चालकों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। जलभराव की वजह से वाहनों के पहियों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। परीचौक, एलजी चौक, ग्रेनो वेस्ट में किसान चौक पर वाहन रेंगते नजर आए। एलजी चौक पर एक वाहन खराब होने की वजह से भी लंबा जाम लग गया। कई स्थानों पर पेड़ टूटकर गिर गए। परीचौक से पीथी सेक्टर तक पानी निकासी के पाइप बंद होने की वजह से कई घंटों तक सड़क जलमग्न रही। राहगीरों को परेशानी हुई। लोगों का आरोप है कि नोएडा की सेक्टरों की नालियों की सफाई तो दूर मुख्य सड़कों पर लगे पाइपों की सफाई कराने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य सड़कों पर पानी निकासी के लिए पाइप के जरिये बारिश का पानी सीधे मुख्य नाले में गिरता है, जिनकी सफाई प्राधिकरण ने नहीं की है, जिसका खामियाजा जलभराव के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

हरियाणा में वन क्षेत्र को नए सिरे से परिभाषित करने की उठी मांग

नई दिल्ली/फरीदाबाद, 14 सितम्बर (ए)। अरावली के वन क्षेत्र पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के मद्देनजर हरियाणा सरकार पंजाब भू संरक्षण कानून (पीएलपीए)-1900 और वन कानून-1927 की समीक्षा करने में जुट गई है। इन कानूनों के आधार पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सात मई 1992 को जारी अधिसूचना को लेकर भी हरियाणा सरकार कई सवाल उठा रही है।

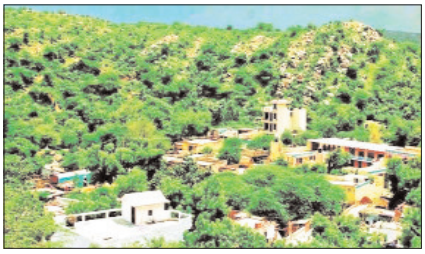

सुप्रीम कोर्ट इन्हीं कानूनों के मद्देनजर वन क्षेत्र से अतिक्रमण व अवैध कब्जे हटाने के सख्त आदेश दे चुका है। छह जून को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण फरीदाबाद व गुरुग्राम में अरावली के वन क्षेत्र में हुए निर्माणों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने संबंधित सभी जिलों के अधिकारियों से चर्चा के बाद इन कानूनों को देखते हुए वन क्षेत्र को नए सिरे से परिभाषित करने की मांग उठाई है। फरीदाबाद, पलवल, नूंह, गुरुग्राम, रेवाड़ी,झज्जर, पानीपत, रोहतक जिला के अधिकारियों ने नगर आयोजना विभाग के प्रधान सचिव अपूर्व कुमार सिंह के साथ हुई बैठक में सुझाव दिया गया है कि वन क्षेत्र की जमीनी सच्चाई जानने के लिए नए सिरे से सर्वे कराने की जरूरत है। इतना ही नहीं अधिकारियों की इस चर्चा में दो अहम पहलू भी सामने आए हैं। पहला यह कि उस पंचायत भूमि को वन क्षेत्र का हिस्सा नहीं माना जा सकता, जिस पर पेड़ खुद लोगों ने लगाए हैं। दूसरा यह कि 1992 की अधिसूचना में फरीदाबाद जिले में करीब आठ हजार हेक्टेयर क्षेत्र अरावली का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा राज्य सरकार के भूराजस्व रिकार्ड में भी अरावली का कोई रिकार्ड नहीं है बल्कि गैर मुमकिन पहाड़ (जिस पर खेती न हो सके) का ही रिकार्ड है।

हरियाणा सरकार ने 27 फरवरी 2019 को विधानसभा में विधेयक पारित कराकर पीएलपीए-1900 की धारा चार व पांच में संशोधन कानून बनवाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पारित विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर होने से पहले ही एक मार्च 2019 को रोक लगा दी थी। तब हरियाणा सरकार का तर्क था कि राज्य में वन क्षेत्र फिर से परिभाषित होना चाहिए। लोगों के पेड़ लगाने के कारण पंचायत भूमि और निजी भूमि को भी वन क्षेत्र के रूप में मान लिया गया है। इससे राज्य के 14 जिलों का 25 फीसद क्षेत्रफल प्रभावित हो रहा है। इसमें कृषि योग्य भूभाग भी शामिल है।

परमजीत सिंह सरना और विक्रम सिंह रोहिणी होंगे डीएसजीएमसी के नामित सदस्य

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली (सरना) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना और शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) के विक्रम सिंह रोहिणी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) में नामित सदस्य होंगे। सरना पहली वरीयता के मतों के आधार पर जीत हासिल की है। वहीं, रोहिणी को दूसरी वरीयता के मतों के आधार पर जीत मिली।

डीएसजीएमसी में संगत द्वारा चुने गए 46 सदस्य वोट देकर दो नामित सदस्यों का चुनाव करते हैं। इसके लिए नौ सितंबर को मतदान हुआ था। शिअद बादल के एक निर्वाचित सदस्य भूपिंदर सिंह भुज्जर की सदस्यता का मामला अदालत में विचाराधीन है। दिल्ली हाई कोर्ट में उनका मत बंद लिफाफे में रखा गया था। बाद में भुज्जर ने अपना मत वापस ले लिया। इस तरह से 45 सदस्य मत में भाग लिए थे। नामित सदस्य बनने के लिए 16 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। सरना को 18 मत मिले थे। वहीं. रोहिणी को 15 और शिअद बादल के एक और सदस्य को 12 मत मिले थे। भुज्जर के मत वापस लेने पर हाई कोर्ट ने गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय को जल्द नामित सदस्यों का चुनाव परिणाम घोषित करने को कहा था। सरना के अतिरिक्त अन्य दोनों उम्मीदवारों को जीत के लिए निर्धारित मत से कम मिले थे। इस वजह से सोमवार को दूसरी वरीयता के मतों की गिनती की गई। रोहिणी को जीत के लिए एक मत की जरूरत थी और उन्होंने दूसरी वरीयता के मतों से इसे हासिल कर लिया। मंगलवार को इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

भाई की हत्या के बाद अमरुल्लाह सालेह के घर तालिबान ने धावा बोला

काबुल, 14 सितम्बर (ए)। तालिबान ने सोमवार को अफगान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के घर धावा बोला और दावा किया कि वहां से बड़ी मात्रा में कैश और सोना जब्त किया है। स्थानीय खबरों के मुताबिक, तालिबान ने वायरल वीडियो में यह दावा किया है उसने पंजशीर प्रांत में सालेह के घर से 60 लाख डॉलर और 15 सोने की ईंटें बरामद की हैं। खामा प्रेस न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तालिबानियों के हाथ में अमेरिकी डॉलर की गड्डियां और सोने के बिस्कुट दिख रहे हैं। हालांकि, सालेह और रेजिस्टेंस फ्रंट ने अभी तक इसपर कोई बयान नहीं दिया है। बता दें कि इससे पहले तालिबान ने अमरुल्लाह सालेह के भाई रोहुल्लाह सालेह पर गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। कुछ रिपोर्ट्स में अब यह दावा किया जा रहा है कि सालेह पंजशीर में नहीं हैं और वह ताजिकिस्तान भाग चुके हैं। 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद सिर्फ पंजशीर ही ऐसा प्रांत था जहां तालिबान का नियंत्रण नहीं था। हालांकि, इसी महीने की शुरुआत में तालिबान ने दावा किया कि अब पंजशीर भी पूरी तरह उसके कब्जे में है। पंजशीर को पूर्व अफगान गुरिल्ला कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद का गढ़ माना जाता है।

मौत की खबरों के बीच तालिबान के नंबर 2 मुल्लाह बरादर ने जारी किया ऑडियो मैसेज, कहा- मैं ठीक हूं

काबुल, 14 सितम्बर (ए)। मौत की अफवाहों के बीच तालिबान के सह संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने सोमवार को एक ऑडियो संदेश जारी किया और कहा है कि वह (बरादर) जिंदा तथा स्वस्थ है। एक हफ्ते पहले घोषित अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के दो उप प्रधानमंत्रियों में से एक बरादर के अनास हक्कानी के साथ सत्ता संघर्ष में मारे जाने की अफवाहें उड़ी थीं। बरादर ने सोमवार को जारी ऑडियो मैसेज में कहा कि उसकी (बरादर) की मौत या घायल होने की खबरें बेबुनियाद हैं। बता दें कि न्यूज साइटों पर गत दो दिनों से इस तरह की खबरें प्रसारित हो रही है कि

मुल्ला बरादर एक संघर्ष के दौरान घायल हो गया है या मारा गया है। बरादर के ऑडियो संदेश को तालिबान के प्रवक्ता मोहम्मद नईम ने सोमवार को ट्विटर पर जारी किया। इससे पहले रविवार को पंजशीर के प्रतिरोधी मोर्चा के ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया गया था कि अनास हक्कानी के साथ सत्ता संघर्ष के दौरान मुल्ला गनी बरादर की मौत हो गई है या वह घायल हो गया है। प्रतिरोधी मोर्चा ने ट्वीट कर कहा था कि दोनों पिछले कुछ दिनों से मीडिया से दूर हैं। साथ ही यह भी कहा गया था कि इस घटना के समय आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद भी मौजूद थे। प्रतिरोधी मोर्चा ने ट्वीट किया, हाल के दिनों में सत्ता के लिए तालिबान के बीच भयंकर लड़ाई हुई है और इस दौरान आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज की मौजूदगी की खबरें हैं। प्रतिरोधी मोर्चा के मुताबिक अनास हक्कानी स्वस्थ हो गया है, लेकिन बरादर की इस्तामाबाद स्थित सैन्य अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई है। प्रतिरोधी मोर्चा ने यह भी दावा किया कि मुल्ला हैबतुल्ला अखुंदजादा की भी संघर्ष के दौरान मौत हो गई है।

आर्मिन लाशेटः सीडीयू के चांसलर पद के उम्मीदवार

बर्लिन, 14 सितम्बर (ए)। जर्मनी के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य के प्रमुख इस साल आम चुनाव में कंजरवेटिव चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं. अगर वे सफल रहते हैं तो चांसलर अंगेला मैर्केल की जगह लेंगे.सितंबर के संसदीय चुनावों के बाद किसके चांसलर बनने की सबसे ज्यादा संभावना है, यह सवाल चाहे आप जर्मनी में आम मतदाताओं से पूछें या बर्लिन में बैठे बड़े राजनीतिक विशेषज्ञों से, ज्यादातर आपसे यही कहेंगे, आर्मिन लाशेट. हालांकि पिछले हफ्तों में इस उम्मीद डगमगा रही है. मतदाताओं में लाशेट की लोकप्रियता गिरी है और वे उसे संभालने की कोशिश में लगे हैं. अंगेला मैर्केल की तरह ही आर्मिन लाशेट कंजरवेटिव क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) के

सदस्य हैं, जो बुंडेस्टाग की सबसे बड़ी पार्टी है. यह बात स्पष्ट कर देती है कि क्यों यह 60 वर्षीय नेता दौड़ में सबसे आगे हैं. कम से कम, सैद्धांतिक तौर पर जरूर. फिलहाल आर्मिन लाशेट जर्मनी के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य नॉर्थ राइन वेस्टफेलिया (एनआरडब्ल्यू) के मुख्यमंत्री हैं. उनकी परिस्थिति जर्मनी का अगला सबसे बड़ा नेता बनने की महत्वाकांक्षा के लिए आदर्श लगती है. और लाशेट कैंप के लिए ज्यादातर चीजें आराम से चल भी रही थीं. तभी जुलाई के अंत में आई घातक और विनाशकारी बाढ़ ने राइनलैंड-पैलेटिनेट राज्य में 180 से ज्यादा लोगों की जान ले ली. नॉर्थ राइन वेस्टफेलिया के प्रमुख लाशेट तबसे भारी दबाव में हैं और थोड़े नरम शब्दों में भी कहें तो उनका चुनावी अभियान लड़खड़ा गया है.

चुनाव प्रचार के दौरान हुई भूल कोलोन के दक्षिण-पश्चिम में पड़ने वाले एर्फ़ेल्टस्टाट शहर के एक दौरे के दौरान जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रांक-वाल्टर स्टाइनमायर स्थानीय लोगों (जिनमें से कई ने बाढ़ में अपना सब कुछ खो दिया था) के सामने अपना सदमा और गहरी चिंता जाहिर करते हुए बातें कर रहे थे. इसी दौरान कैमरे ने स्थानीय अधिकारियों के साथ हंसी-मजाक करते हुए आर्मिन लाशेट की कुछ तस्वीरें भी उतार ली थीं. हालांकि अपने अनुचित व्यवहार के लिए उन्होंने तुरंत माफी मांगी थी और इस माफी को वे पिछले दिनों में कई बार दोहराते भी रहे हैं. कुछ दिनों बाद उन्होंने इससे पलटते हुए कहा, हम सभी जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जो कर सकते हैं, वह करने की जरूरत है

मैर्केलवादी होने की वजह से बने पार्टी प्रमुख दुर्भाग्य से यह बातें लाशेट की उस छवि से मेल खाती हैं, जो जानकारों ने उनके बारे में बना रखी है. यानी जलवायु परिवर्तन से जूझने के बजाए नीति प्रतिबद्धताओं में बदलाव और कटौती में ज्यादा समझदारी देखने वाले की. कई आश्वर्य करते हैं कि वे कौन सी बातें हैं, जिन्हें वाकई इस उम्मीदवार का समर्थन है. जनवरी में जब लाशेट को पार्टी अध्यक्ष के तौर पर चुना गया था तो कई लोगों ने उन्हें मैर्केल की नीतियों का प्रमुख समर्थक बताया था. पहले वकील और पत्रकार रहे लाशेट 2012 से ही सीडीयू के पांच उपाध्यक्षों में से एक हैं और उन्हें लंबे समय से मैर्केल और पार्टी प्रमुख आनेग्रेट क्रांप-कारेनबावर (2018 से 2020 तक) के दाएं हाथ के तौर पर देखा जाता था. अपनी पार्टी का विश्वास जीतने के लिए, लाशेट को सीडीयू और सीएसयू को यह विश्वास दिलाना पड़ा था कि चुनावों से इतर लंबे समय के लिए वे एक सुरक्षित विकल्प होंगे. प्रशासन का व्यापक अनुभव उन्होंने अपने दशकों पुराने राजनीतिक अनुभव और 2017 से नॉर्थ राइन वेस्टफेलिया के मुख्यमंत्री होने की ओर इशारा किया. यह अपने आप में बहुत बड़ा जनसमर्थन है क्योंकि राज्य में जर्मनी की करीब एक चौथाई आबादी रहती है. वे भी कहते हैं, एक राज्य प्रमुख जो 1.8 करोड़ लोगों के राज्य को कामयाबी से चलाता है, वह चांसलर भी बन सकता है तस्वीरें मेंः कवर गर्ल अंगेला मैर्केल मैर्केल की तरह लाशेट भी एक जबरदस्त मध्यमार्गी सीडीयू में विश्वास करते हैं।

आरोपित ने फेसबुक पर लिख दिया हत्या का कुबूलनामा!

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। नेशनल कान्फ्रेंस के जम्मू से सिख नेता व पूर्व विधान पार्षद जिलोचन सिंह वजीर के हत्या आरोपित हरप्रीत सिंह खालसा व हरमीत सिंह खालसा के बारे में दिल्ली पुलिस को कोई सटीक सुराग नहीं मिल पा रहा है। इस बीच पश्चिमी व बाहरी जिले की पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच व स्पेशल सेल की कई टीम जम्मू में पिछले कई दिनों से डेरा डाल दोनों को दबोचने के लिए हर संभावित ठिकाने पर खाक छान रही है।

गत शनिवार को हरमीत सिंह के फेसबुक पेज पर जो छह पत्रे का पोस्ट किया गया था, वह एक तरह से हत्या का कबूलनामा ही लग रहा है। हालांकि, पुलिस इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे उक्त तथ्य को अभी सही नहीं मान रही है, लेकिन पोस्ट में विस्तार से जिस तरह की बातें लिखी गई हैं उससे ऐसा लगता है कि उक्त पत्र को हरमीत ने ही लिखा है। हरप्रीत के परिवार में मां व बहन है। कई साल पहले पिता की मृत्यु हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि हरप्रीत अपनी मां व बहन से कोई संपर्क नहीं रखता था। इस कारण ही स्वजन से हरप्रीत के बारे में सुराग नहीं लग पाया। हरमीत के स्वजन से भी पुलिस को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। हरमीत के फेसबुक पोस्ट पर छठे पन्ने में स्पेशल नोट करके पांच बातें लिखी हुई हैं। हरमीत के नाम से लिखे नोट में कहा गया है कि उसे सब से ज्यादा गुस्सा तब आया जब वजीर ने कहा कि उसने चोपड़ा परिवार को मरवा दिया है। बिल्ला व डिग्गिया के तीन लड़कों को भी मार दिया है साथ ही पप्पी सिंबला वाले को मरवा देने की बात कही। वजीर से हरप्रीत को उसने यह कहते हुए भी सुना कि अब तक उसने सौ के करीब लोगों को मारवा दिया है। दिल्ली से उनकी बात मुंबई के डान से हुई है। डान की टीम जम्मू पहुंच गई है और दो करोड़ उसे एडवांस दे दिया गया है। हरमीत व उसके बेटे को जल्द ही मरवा दिया जाएगा।

चिराग पासवान के भाई प्रिंस राज की बढ़ी मुश्किल, दिल्ली के कनाट प्लेस थाने में दर्ज हुई दुष्कर्म की एफआईआर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। लोजपा के बागी सांसद प्रिंस राज पर बिहार की रहने वाली 30 साल की युवती ने दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस बाबत कनाट प्लेस थाने में शिकायत दी है। युवती की शिकायत पर अभी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित युवती के खिलाफ सांसद ने पहले ही मुकदमा दर्ज करा रखा है। वह आरोपित है, इसलिए पहले युवती के आरोप की जांच की जाएगी। इस संबंध में लोक अभियोजक से भी कानूनी राय ली जा रही है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

प्रिंस राज, दिवंगत रामविलास पासवान के भाई दिवंगत रामचंद्र पासवान के बेटे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में रामचंद्र पासवान ने समस्तीपुर से चुनाव जीता था। कुछ समय बाद

ही उनकी मृत्यु हो जाने पर प्रिंस राज ने लोजपा से उस सीट से उप चुनाव जीत लिया था। बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव के दौरान पीड़ित युवती पार्टी से जुड़ी थी। इंटरनेट मीडिया के जरिये ही चुनाव के दौरान प्रिंस राज की उक्त युवती से परिचय हुआ था। दोनों में दोस्ती हो गई थी। चुनाव से बाद युवती भी दिल्ली आकर रहने लगी। शिकायत में युवती ने आरोप लगाया है कि 2020 मार्च में पहली बार प्रिंस राज ने उन्हें वेस्टर्न कोर्ट में बुलाकर पहली बार नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया था। उसके बाद यहीं बार बार हवश का शिकार बनाया गया। दो दिन पहले युवती ने आत्महत्या की भी कोशिश कर चुकी है।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि युवती काफी समय के, सांसद को ब्लैकमेल कर रही थी। वह उनसे एक करोड़ रुपये मांग रही थी। सांसद ने करीब ढाई लाख दे भी दिये। पैसे के लिए बार बार दबाव बनाने पर सांसद ने चार महीना पहले संसद मार्ग थाने में पीड़ित युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया था। उस मामले में पुलिस ने युवती को गिरफ्तार नहीं किया है। अब युवती ने सांसद के खिलाफ कर्नाट प्लेस थाने में शिकायत दे दी। युवती अब लोजपा छोड़कर जनता दल यू में शामिल हो गई है। ये 16 जून की जानकारी है, जब लड़की ने कनाट प्लेस थाने में शिकायत दी थी। जांच के बाद 9 सितंबर को एफआइआर हो गई, लेकिन मामले का खुलासा अब हुआ है।